[illegible] [illegible]:2 [illegible] 8

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible];

[illegible]-[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?

[illegible]-[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible]?

[illegible]-[illegible]

c„ôv |

[illegible]

c„ôv |

আল-লাজনাতুশ শারইয়্যাহ লিদ-দাওয়াতি ওয়ান-নুসরাহ

fatwaa.or
g

উচ্চতর ইসলামী আইন

গবেষণা বিভাগ

اللجنة الشرعية

للدعوة والنصرة

তিন:
ঘুষ নেয়া-দেয়া শরীয়তে হারাম। তবে যদি ঘুষ দেয়া ছাড়া নিজের বৈধ অধিকার লাভ করা সম্ভবপর না হয়, তাহলে অধিকার আদায়ের জন্য ঘুষ দেয়া জায়েয; যদিও গ্রহণকারীর জন্য তা সর্বাবস্থায়ই হারাম। সুতরাং যে মানের খাবার এবং আত্মীয়-স্বজনের সঙ্গে যোগাযোগের যে অধিকার আপনার প্রাপ্য, তা যদি ঘুষ প্রদান করা ব্যতীত না পাওয়া যায়, তাহলে আপনি ঘুষ দিতে পারবেন। এ বিষয়ে আরও জানতে নিম্মোক্ত ফতোয়া দুটি দেখুন।
ঘুষ দিয়ে চাকরি নেওয়ার হুকুম কী? লিংক:
https://fatwaa.org/2020/12/19/1993/জুলুম থেকে বাঁচার জন্য ঘুষ প্রদান করার হুকুম কী? লিংক: https://fatwaa.org/2021/03/28/2206/

আবু মুহাম্মাদ আব্দুল্লাহ আলমাহদি (উফিয়া আনহু)
.২৭-০৮-১৪৪৩ হি
.৩১-০৩-২০২২ ঈ

c„ôv | 3